कुछ अलग | सबसे ज्यादा कमाई वाले जिलों को भी प्रयागराज ने पीछे छोड़ा, जिले ने 43.38 प्रतिशत वृद्धि हासिल की

महाकुम्भ ने जीएसटी संग्रह को दी उड़ान

■ पीयूष श्रीवास्तव

प्रयागराज। महाकुम्भ एसजीएसटी (राज्य वस्तु एवं सेवा कर) के मामले में प्रयागराज के लिए वरदान साबित हुआ। महाकुम्भ के चलते ही विभाग ने प्रयागराज में राजस्व संग्रह में बड़ी छलांग लगाते हुए अप्रैल 2025 में 43.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इसी के साथ 409.35 करोड़ रुपये का टैक्स जमा कराकर प्रयागराज ने वृद्धि दर में प्रदेश के दूसरे बड़े राजस्व जिलों को भी पीछे छोड़ दिया है।

अब तक वृद्धि दर की सूची में टॉप टेन में जगह न बना पाने वाला प्रयागराज इस बार प्रदेश में दूसरे स्थान पर है, जो एक कीर्तिमान है। खास बात यह है कि प्रदेश में पहला स्थान पाने वाला मेरठ (43.58%) महज 0.20 प्रतिशत के अंतर से ही प्रयागराज से आगे है। विभाग के अधिकारियों की मानें तो प्रयागराज में इस अभूतपूर्व वृद्धि के पीछे महाकुम्भ 2025 का अहम योगदान रहा। महाकुम्भ से जुड़ी सरकारी और निजी परियोजनाओं, निर्माण कार्यों, अस्थायी व्यावसायिक गतिविधियों और सेवाओं ने टैक्स रजिस्ट्रेशन व भुगतान को रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा दिया। महाकुम्भ के दौरान हुए कार्यों का जिन कंपनियों ने किसी कारणवश टैक्स नहीं जमा किया था, उसे अप्रैल में जमा किया गया, जिससे यह वृद्धि हुई।

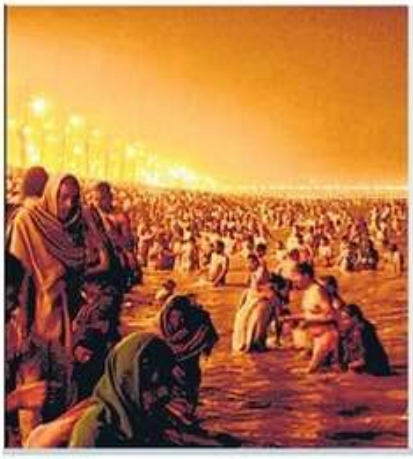

43.58

प्रतिशत वृद्धि हासिल कर मेरठ ने प्राप्त किया पहला स्थान

- महाकुम्भ के बाद तेजी से बदले आर्थिक हालात
- पहले टॉप टेन में भी नहीं पहुंच पाता था प्रयागराज

और बढ़ सकता था संग्रह

यह रिकॉर्ड और भी बढ़ सकता था। दरअसल, महाकुम्भ में काम करने वाली कई एजेंसियों ने अन्य जिलों में रजिस्ट्रेशन कराया था और वहीं पर टैक्स जमा किया। प्रयागराज में सबसे ज्यादा टैक्स सीमेंट, सरिया और ऑटो मोबाइल से मिलता है। महाकुम्भ के दौरान जाम के कारण यह सेक्टर प्रभावित हुए थे। इसके कारण टैक्स कम मिला, नहीं तो टैक्स कलेक्शन में प्रयागराज यूपी में नंबर वन होता।